Navtattva Prakaran

Folder No.	022327
Granth Name	Navtattva Prakaran
Author	Nilanjanashreeji
Publisher	Ratanmalashree Prakashan
Edition	1
Year	
Pages	400

नवतत्त्व प्रकरण

फोल्डर नं.	०२२३२७
ग्रन्थ	नवतत्त्व प्रकरण
लेखक	नीलांजनाश्रीजी
प्रकाशक	रत्नमालाश्री प्रकाशन
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	
पृष्ठ	४००

मुख्य टाइटल

अमृत स्वर ---------- ५
आशी स्वर ---------- ६
आत्मीय स्वर ---------- ९
अनुभूत स्वर ---------- १२
अनुक्रमणिका ---------- १८
नवतत्त्व प्रकरण मूल ---------- १९
नवतत्त्व प्रकरण गाथा अन्वय संस्कृत पदानुवाद शब्दार्थ गाथार्थ विवेचन ---------- २५
नवतत्त्व प्रश्नोत्तरी ---------- १६५
- प्रारंभिक प्रश्नोत्तरी ---------- १६५
- जीव तत्त्व का विवेचन ---------- १७५
- अजीव तत्त्व का विवेचन ---------- २०६
- काल द्रव्य का विवेचन ---------- २२२
- षड् द्रव्यों का विशेष विवेचन ---------- २३५
- पुण्य तत्त्व का विवेचन ---------- २४०
- पाप तत्त्व का विवेचन ---------- २५३
- पाप तत्त्व की बयासी प्रकृतियाँ ---------- २५५
- आश्रव तत्त्व का विवेचन ---------- २७१
- संवर तत्त्व का विवेचन ---------- २८३
- बावीस परीषहों का विवेचन ---------- २९३
- दस प्रकार के यति धर्मों का विवेचन ---------- २९९
- बारह प्रकार की भावनाओं का विवेचन ---------- ३०२
- पांच प्रकार के चारित्रों का विवेचन ---------- ३०६
- निर्जरा तत्त्व का विवेचन ---------- ३१०

छह प्रकार के बाह्य तप का विवेचन ---------- ३११
छह प्रकार के आभ्यन्तर तप का विवेचन ---------- ३२०
चार प्रकार के ध्यान का विवेचन ---------- ३२७
बंध तत्त्व का विवेचन ---------- ३३५
कर्म तत्त्व की प्रकृतियों का विवेचन ---------- ३४३
मोक्ष तत्त्व का विवेचन ---------- ३६२
चौदह मार्गणाओं का विवेचन ---------- ३६३
पन्द्रह प्रकार के सिद्धों का विवेचन ---------- ३८०